

एलीफैंट कॉरडोर रपिर्ट 2023 का महत्त्वपूर्ण मूल्यांकन

प्रलिस के लयः

[एलीफैंट कॉरडोर](#), वदयुत आघात, प्रोजेक्ट एलीफैंट, [वनय जीवन \(संरक्षण\) अधनियम, 1972](#), पर्यावरण (संरक्षण) अधनियम, 1986, हाथी संरक्षण ।

मेन्स के लयः

वभिन्न क्षेत्रों में वकिस के लयः सरकारी नीतयों और हस्तकषेप व उनके डज़ाइन एवं कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुददे, भारत के एलीफैंट कॉरडोरों से प्रमुख नषिकरष, 2023 रपिर्ट ।

[स्रोतः डाउन टू अर्थ](#)

चर्चा में क्यो?

हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा प्रकाशित "[एलीफैंट कॉरडोर रपिर्ट, 2023](#)" में कई वसिंगतयों की पहचान की गई है ।

रपिर्ट में देखी गई प्रमुख वसिंगतयः

- **कॉरडोर/गलयारे की परभाषा में वसिंगतयः**: आलोचकों का तर्क है कि **कॉरडोर का प्रारंभिक महत्त्व कम कर दिया गया है**, क्योकि ऐसे कसि भी स्थान को जहाँ हाथी आवागमन करते हैं, **कॉरडोर** के रूप में संदर्भित करना सामान्य प्रचलन हो गया है ।
 - इस रपिर्ट में परदृश्यों और आवासों को गलयारों के रूप में वर्गीकृत किया गया है तथा इसके बाद एलीफैंट कॉरडोरों की संख्या में वृद्धि हुई है ।
- **उत्तर और पूर्वोत्तर कॉरडोर में वसिंगतयः**: आलोचकों का तर्क है कि पश्चिमि बंगाल में कुछ क्षेत्र छोटे वन क्षेत्र होने के कारण हाथियों के लयः उपयुक्त हैं, लेकिन दक्षिण बंगाल में हाथियों के प्रवास वाले अधिकांश क्षेत्रों में **कृषि** का प्रभुत्व है ।
 - रपिर्ट में इन क्षेत्रों को अन्य हाथी परदृश्यों से जोड़ने का प्रस्ताव है, जो कॉरडोर के मूल लक्ष्य से भिन्न है ।
 - वसित्तुत कॉरडोर मानव-हाथी संघर्ष को बढ़ा सकते हैं ।
- **हाथियों के लयः खतरा**: आलोचकों का तर्क है कि **हाथियों के क्षेत्र के वसितार** के कारण **वदयुत के झटकों** और कुओं में गरिने से हाथियों की मौत की घटनाएँ भी बढ़ी हैं ।

एलीफैंट कॉरडोर पर प्रोजेक्ट एलीफैंट नरिदेशः

- वर्ष 2005-06 में [प्रोजेक्ट एलीफैंट](#) ने एलीफैंट कॉरडोर के संबंध में राज्यों को नरिदेश जारी कयि । इसमें कहा गया है कि वन क्षेत्रों में कॉरडोर को [वनय जीवन \(संरक्षण\) अधनियम, 1972](#) में उल्लिखित नयिमों का पालन करना चाहयि ।
 - इस बीच, राजस्व और नज़ी भूमि वाले क्षेत्रों को पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्रों के रूप में [पर्यावरण संरक्षण अधनियम, 1986](#) का अनुपालन करने का नरिदेश दिया गया, संभावति रूप से लाल श्रेणी के उद्योगों पर प्रतबिंध लगाया गया ।

हाथी की 4 मुख्य प्रजातियाँ

प्रजातियाँ	जहाँ पाई जाती हैं	IUCN रेड लिस्ट में दर्ज स्थिति	अधिवास
भारतीय	एशिया	संकटग्रस्त (CITES - परिशिष्ट I, WPA - अनुसूची I)	उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण शुष्क एवं नम पृथुपर्णी (चौड़े पत्तेदार) वन, घास के मैदान
सुमात्राई	एशिया	गंभीर संकटग्रस्त	उष्णकटिबंधीय नम पृथुपर्णी (चौड़े पत्तेदार) वन
सवाना (बुश)	अफ्रीका	संकटग्रस्त	मध्य अफ्रीका के घने उष्णकटिबंधीय वनों को छोड़कर पूरे उप-सहारा अफ्रीका में
अफ्रीकी वन्य हाथी	अफ्रीका	गंभीर संकटग्रस्त	घने उष्णकटिबंधीय वन

भारतीय हाथी (*Elephas maximus*)

एशियाई महाद्वीप पर सबसे बड़ा स्तनपायी जीव
भारत का राष्ट्रीय धरोहर पशु

■ हाथियों की अधिकतम आबादी वाले शीर्ष 5 भारतीय राज्य:
(हाथी जनगणना 2017 के अनुसार)

■ कर्नाटक > असम > केरल > तमिलनाडु > ओडिशा

■ सामाजिक संरचना:

- नर की तुलना में मादा हाथी अधिक सामाजिक होती हैं; जो कि झुंड में (आमतौर पर 5-7) रहती हैं
- जिसका नेतृत्व सबसे बुजुर्ग मादा हाथी करती है
- नर आमतौर पर अकेले रहते हैं

■ प्रमुख खतरे:

- घटते आवास
- मानव-हाथी संघर्ष
- हाथीदांत के लिये अवैध शिकार
- पालन में दुर्व्यवहार

■ संरक्षण के प्रयास:

- गज सूचना ऐप (2022)
- गज यात्रा (2017)
- हाथी मेरे साथी अभियान (2011)
- राष्ट्रीय हाथी गलियारा परियोजना (2005)
- हाथियों की अवैध हत्या की निगरानी (माइक) कार्यक्रम (2003)
- प्रोजेक्ट एलिफेंट (1992)

हाथी गलियारा (एलीफैंट कॉरडोर):

■ परिचय:

- एलीफैंट कॉरडोरों को भूमि के एक खंड के रूप में वर्णित किया जा सकता है जो हाथियों को दो अथवा दो से अधिक अनुकूल आवास स्थानों के बीच आवागमन में सुलभता प्रदान करता है।

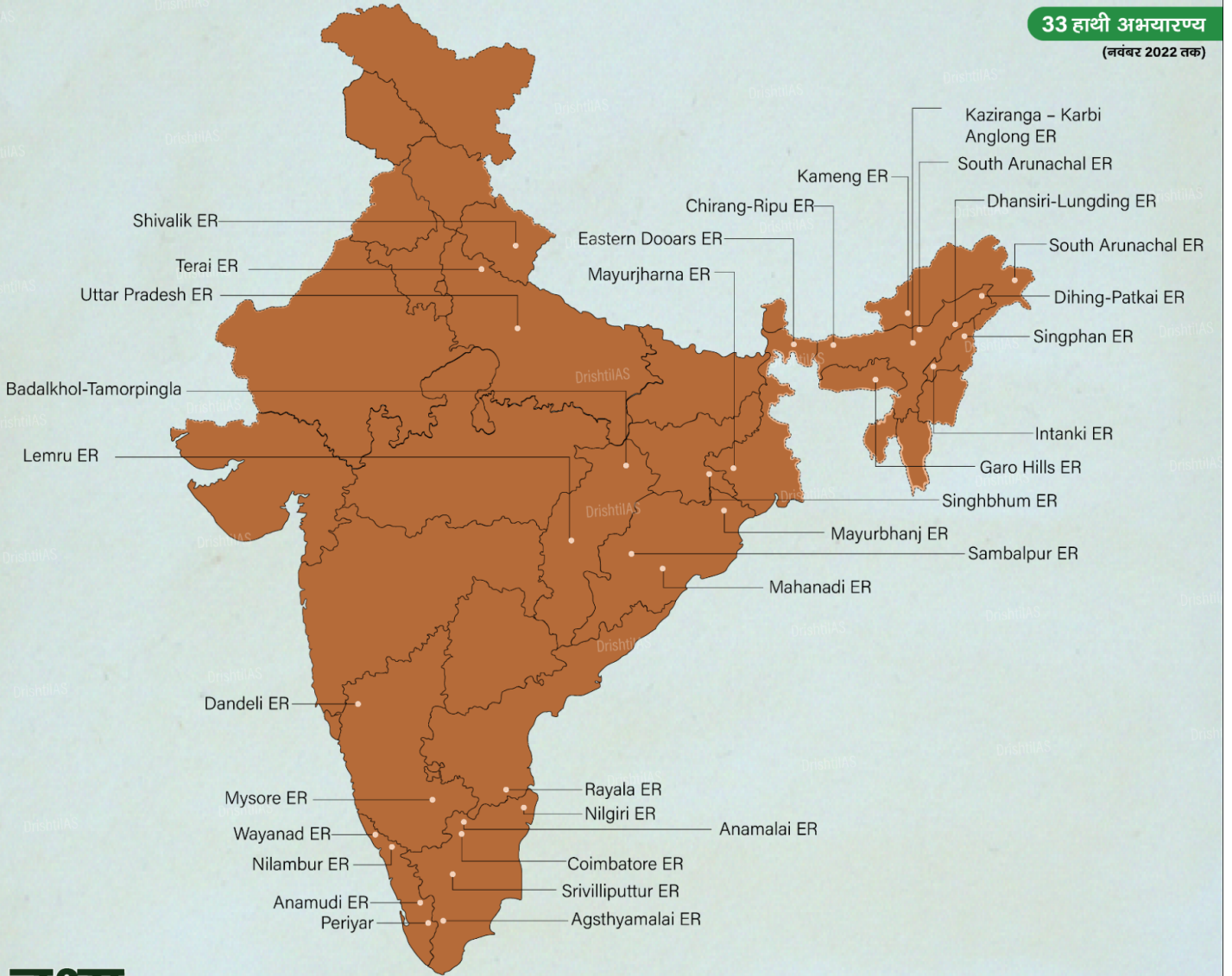
■ भारत के एलीफैंट कॉरडोर से प्रमुख नषिकर्ष, 2023 रपिपोर्ट:

- इस रपिपोर्ट में 62 नए गलियारों की वृद्धि पर प्रकाश डाला गया है, जो वर्ष 2010 के बाद से बने गलियारों में 40% की वृद्धि दर्शाते हैं। वर्तमान में भारत में कुल 150 गलियारे मौजूद हैं।
- पश्चिमि बंगाल में सबसे अधिक हाथी गलियारे हैं, जिनकी कुल संख्या 26 है, जो कुल गलियारों का 17% है।
 - पूर्वी-मध्य क्षेत्र 35% (52 गलियारे) का योगदान देता है तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र 32% (48 गलियारे) के साथ दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है।
 - दक्षिणी भारत में 32 हाथी गलियारे पंजीकृत हैं, जो कुल गलियारों का 21% है, जबकि उत्तरी भारत में सबसे कम 18 गलियारे हैं, जो कुल गलियारों का 12% हैं।
- महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र और कर्नाटक की सीमा से लगे दक्षिणी महाराष्ट्र में हाथियों की आवाजाही बढ़ गई है।
 - उनकी उपस्थिति सिंजय टाड़गर रज़िर्व और बांधवगढ़ के भीतर मध्य प्रदेश जैसे क्षेत्रों के साथ-साथ उत्तरी आंध्र प्रदेश में वसिंतारति सीमाओं के साथ-साथ ओडिशा से आवाजाही की अनुमति में भी बढ़ी है।

हाथी अभयारण्य

33 हाथी अभयारण्य

(नवंबर 2022 तक)



तथ्य

- भारत में तमिलनाडु और असम में हाथी अभयारण्य/एलीफेंट रिज़र्व की संख्या सबसे अधिक (5) है।
- भारतीय हाथी (*Elephas maximus*) को भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I और CITES के परिशिष्ट I में शामिल किया गया है।
- भारतीय हाथी को प्रवासी प्रजातियों पर अभिसमय के परिशिष्ट I और IUCN रेड लिस्ट में 'लुप्तप्राय/संकटग्रस्त' (Endangered) के रूप में भी सूचीबद्ध किया गया है।
- वर्ष 2010 में हाथी को भारत का राष्ट्रीय विरासत पशु घोषित किया गया था।
- MoEFCC हाथी परियोजना/प्रोजेक्ट एलीफेंट के माध्यम से देश के प्रमुख हाथी रेंज राज्यों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है। हाथी परियोजना को भारत सरकार द्वारा वर्ष 1992 में केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में शुरू किया गया था।



UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

भारतीय हाथियों के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचारि कीजयि: (2020)

1. हाथियों के समूह का नेतृत्व मादा करती है।
2. हाथी की अधिकतम गर्भावधि 22 माह तक हो सकती है।
3. सामान्यतः हाथी में 40 वर्ष की आयु तक ही बच्चे पैदा करने की क्षमता होती है।
4. भारत के राज्यों में हाथियों की सर्वाधिक जीवसंख्या केरल में है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 4
- (c) केवल 3
- (d) केवल 1, 3 और 4

उत्तर: (a)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/critical-evaluation-of-elephant-corridor-report-2023>

